आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति मात्र नहीं अपितु जीवनशैली भी है - लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2014: आज नई दिल्ली में छठे वर्ल्ड आयुर्वेद कांग्रेस का उद्घाटन करते हुए लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि आयुर्वेद केवल रोगों के उपचार की पद्धति मात्र नहीं अपितु जीवनशैली भी है । योग और आयुर्वेद समूचे मानव जीवन और पूरे ब्रह्मांड में व्याप्त वैदिक ज्ञान की दो परस्पर जुड़ी शाखाएं हैं । इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में दिए गए भाषण के दौरान अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने के आह्वान का उल्लेख भी किया ।

श्रीमती महाजन ने कहा कि आयुर्वेद और अन्य भारतीय चिकित्सा पद्धतियां जीवनशैली, व्यवहार में बदलाव लाने के मामले में और समग्र स्वास्थ्य पद्धति के रूप में कारगर हल उपलब्ध करा सकती हैं ।

इस संबंध में उन्होंने यह भी कहा कि आयुष पद्धति की पहुंच और स्वीकार्यता, बहुत हद तक गुणवत्तापूर्ण और जड़ी बूटी आधारित कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता पर निर्भर करती है। व्यापार में इस्तेमाल होने वाली 90 प्रतिशत से अधिक जड़ी-बूटियां जंगलों से आती हैं । इसलिए औषधीय गुणों वाले पौधों को गांवों और शहरों में उगाने से भी इस उद्योग की कच्चे माल संबंधी जरूरत पूरी होगी तथा अधिक आय, फसलों के विविधीकरण और निर्यात में वृद्धि के अवसर भी मिलेंगे ।

श्रीमती महाजन ने यह भी कहा कि वर्ष 2017 तक चिकित्सा पर्यटन उद्योग के 4 बिलियन अमरीकी डालर तक होने की आशा है । भारत में वैकल्पिक उपचार के लिए स्वास्थ्य की कामना करने वाले पर्यटकों को बड़ी संख्या में आकर्षित करने की संभावना है । विभिन्न देशों से रोगी आयुर्वेद, योग, एक्यूपंक्चर, जड़ी-बूटी युक्त तेल मालिश, प्राकृतिक उपचार के माध्यम से किफायती और स्वास्थ्यकर वैकल्पिक उपचार के लिए भारत में चिकित्सा के लिए आ रहे हैं ।

तथापि, लोक सभा अध्यक्ष ने इस बारे में चिंता व्यक्त की कि आयुर्वेद की लोकप्रियता के साथ ही झोलाछाप वैद्यों का खतरा भी बढ़ा है जो विनियामक प्राधिकारियों की अनदेखी करने और अपनी फर्जी प्रैक्टिस को बढ़ावा देने के लिए तकनीक का चतुराई से प्रयोग करते हैं । उन्होंने कहा कि समय की मांग है कि आयुष विभाग व्यवस्था को ऐसे झोलाछाप वैद्यों से मुक्त करने हेतु अपने विनियामक तंत्र को मजबूत बनाए । इस पुरातन प्रणाली की शुचिता को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है ।